Title: Regarding deteriorating law and order situation in Bihar.

श्री कीर्ति झा आजाद : अध्यक्ष महोदय, नियम 193 के अंतर्गत मैंने आपको बिहार में हो रही अराजकता के बारे में लिख कर दिया है। मैंने आपको बहुत मोटी फाइल भी दी है, आप इसके प्रत्येक कागज को देखिए। बिहार में इंसान को इंसान नहीं समझा जाता, वह फर्जी मुठभेड़ में मारा जाता है। वहां बड़ी अजीब स्थिति है। मैंने सोमनाथ दा को भी पिछली बार इतनी मोटी फाइल दी थी। आपने भी मुझ से कहा था कि मामला गंभीर है, लेकिन आज तक यहां पर मेरा समर्थन नहीं किया। बिहार में जब भी कभी फर्जी मुठभेड़ होती है, वहां लोगों को मार दिया जाता है। एक विवाहित महिला को उसके घर से वहां के गुंडे उठा कर ले जाते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : महोदय, हमने भी पोटा पर नोटिस दिया है। कुंवर अखिलेश सिंह जी तथा अन्य कई माननीय सदस्यों ने भी पोटा पर बोलने के लिए नोटिस दिया है। इसलिए हमारी आपसे प्रार्थना है कि जिन्होंने पोटा पर नोटिस दिया है, उन्हें मेहरबानी करके एक साथ बोलने की इजाजत दी जाए, यही हमारा आपसे आग्रह है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको बोलने की इजाजत दूंगा, अभी आप बैठ जाइए।

श्री कीर्ति झा आजाद : अध्यक्ष महोदय, वहां एक विवाहित महिला को गुंडे उठा कर ले जाते हैं और उसे ले जाकर दोबारा उससे विवाह कर लेते हैं। उस औरत का एक छोटा बच्चा भी है। नेशनल कमीशन फॉर वूमैन की अध्यक्षा, पूर्णिमा आडवाणी जी वहां गई थीं, उन्होंने निर्देश दिया है। उन्हें लोगों ने आकर बताया कि गुंडों ने उस महिला को कहां ले जाकर रखा हुआ है लेकिन उसके बावजूद भी वहां की पुलिस ने कुछ नहीं किया। पूर्व पुलिस कमिश्नर ने कहा, मुझे लगता है कि वह हस्तिनापुर में कहीं बैठा हुआ है, जहां राज्य का चीरहरण हो रहा है और मैं उसे देख रहा हूं। वहां के पुलिस कमिश्नर, डीजी पुलिस, जो रिटायर हो गए हैं, उन्होंने यह बात कही। इस प्रकार से पिछले 11 साल में दलितों की वहां हत्याएं हुई हैं। मेरे क्षेत्र के एक एमसीडी, जो दिल्ली में हैं, वहां जूनियर इंजीनियर, एक मुसलमान, उन्हें मोटर साइकिल के साथ घसीट कर धनश्यामपुर, दरभंगा में उनकी जान ले ली गई, लेकिन आज तक उसका कुछ नहीं हुआ। जब भी उनके घर के लोग जाकर गुहार करते हैं तो वे सुनते नहीं है। मुझे बड़ा खेद होता है। अगर इस समय मेरे पिता जी कांग्रेस में होते तो शायद डूब कर मर जाते। उन्हें शर्म आती। आज यही लोग मिल कर बिहार में इन लोगों का साथ दे रहे हैं, जिन्होंने बिहार में अराजकता फैलाई है, यह बहुत खेद की बात है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपा कर आप सब माननीय सदस्य बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आजाद : हिन्दुस्तान के एक पत्रकार का अपहरण हुआ।â€¦ (व्यवधान)तीन दिन तक वहां की पुलिस उस आदमी को ढूंढ नहीं पाई, लेकिन वहां लालू प्रसाद यादव के आदमी तीन घंटे में उस आदमी को ले आए। इससे पता लगता है कि किस प्रकार से इन गुंडे, बदमाशों को वहां की राज्य सरकार द्वारा पूरा समर्थन ए वं संरक्षण मिला हुआ है। â€¦ (व्यवधान)वहां की राज्य सरकार की एक मंत्री, रमा देवी को भी अपनी सरकार से खतरा है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. I have received 26 notices from hon. Members to raise different issues. I really desire that they should get opportunities to place the issues before the House. But the manner in which we want to speak on the issues, it does not permit the other Members to get their opportunities. Therefore, now I will only allow those Members to speak who have given specific notices on specific issues.

On this specific issue, the Members who have given notices had been allowed to speak.

Now, Shri P. R. Dasmunsi may speak.

श्री कीर्ति झा आज़ाद : आपने मुझे बोलने का मौका दिया है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने मौका दिया, वह पूरा हो गया। आपका आज तक मुझे नोटिस नहीं मिला।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : मैं बिहार की चर्चा कर रहा हूं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जब सदन में बिहार की चर्चा उपस्थित करेंगे तो मैं आपको ज्यादा टाइम दूंगा, अभी आप बैठिये।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : आप बिहार की हालत देखिये, ये कागजात देखिये। वहां जिस प्रकार से हो रहा है, उस पर मुझे दो मिनट में अपनी बात खत्म करने दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको पांच मिनट बोलने का टाइम दिया, आपका नोटिस नहीं था, तो भी समय दिया। आप समझने की कोशिश कीजिए।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : मैं खुद अरैस्ट हुआ। आपको लोक सभा में इसकी सूचना नहीं मिली। मुझे आज तक एक ट्रैफिक लाइट उल्लंघन करने का पर्चा नहीं मिला, लेकिन मैं वहां जेल में गया और दो दिन रहा। लोग कहते हैं कि राजनैतिक लोगों के लिए जेल जाना बहुत अच्छा होता है। जब तक राजनैतिक आदमी जेल नहीं जाये, वह बड़ा आदमी नहीं बनता। मैं जेल अच्छे काम के लिए गया, बुरे काम के लिए नहीं गया, मैंने बेल भी नहीं मांगी। जिस प्रकार की अराजकता बिहार में हैâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं अब दूसरे विाय पर जा रहा हूं, प्लीज बैठिये।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : उसे लेकर मैं सिर्फ इतना ही कह सकता हूं कि मैंने नियम 193 के तहत नोटिस दिया है और संविधान की धारा 355 के अन्तर्गत मैं आपसे सिर्फ इतना ही निवेदन करता हूं कि तुरन्त इसके ऊपर चर्चा कराई जाये। बिहार में जो कुछ भी हो सकता है, आप करने का काम करिये। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : पी.आर. दासमुंशी जी, अगर आप अपना विाय नहीं रखेंगे, तो मैं अगला नाम पुकारूंगा।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : बिहार में सब गड़बड़ हो गया है, बिहार की बहुत बुरी स्थिति है, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इसकी चर्चा नियम 193 के अन्तर्गत कराई जाये और बिहार में राट्रपति शासन लगवाया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, अभी आप बैठिये।